ग्राही (रिसेप्टर्स)

स्तन कैन्सर के कोशों में रिसेप्टर्स या ग्राही प्रोटीन हो सकते हैं जिनके साथ हार्मोन और अन्य प्रोटीन जुड जाते हैं और कैन्सर के कोशों को बढ़ने के लिये प्रोत्साहित करते हैं। पॅथोलॉजिस्ट कैन्सर के कोशों का परीक्षण करके यह पता लगाते हैं कि कैन्सर के कोशों में रिसेप्टर्स हैं या नहीं और अगर हैं तो किस प्रकार के हैं।

इन परीक्षणों के परिणाम आपको और आपके डॉक्टर को आपके लिये सर्वोत्तम इलाज का निर्णय लेने में सहायक होते हैं।

हार्मोन रिसेप्टर्स

जहाँ एस्ट्रोजेन नामक हार्मोन के रिसेप्टर्स उपस्थित होते हैं ऐसे स्तन कैन्सर को एस्ट्रोजेन–रिसेप्टर पॉजिटिव (ईआर–पॉज़िटिव) स्तन कैन्सर कहा जाता है। प्रायः 70% स्तन कैन्सर ईआर–पॉज़िटिव होते हैं। ऐसे रोगीयों के लिये हार्मोनल थेरेपी अच्छा काम करती है।

एस्ट्रोजन रिसेप्टर निगेटिव (ईआर निगेटिव) स्तन कैन्सर में हार्मोन (अंतःस्राव) रिसेप्टर नहीं होते।

स्तन कैन्सर कोश में प्रोजेस्ट्रोन नामक हार्मोन के रिसेप्टर्स भी उपस्थित हो सकते हैं। इसे पीआर पॉजिटिव स्तन कैन्सर कहते हैं।

प्रोटीन रिसेप्टर्स

कुछ स्तन कॅन्सरों में एचईआर2 (HER2) प्रकार के प्रोटीन के रिसेप्टर्स बड़ी संख्या में होते हैं। उन्हें एचईआर2 (HER2) पॉज़िटिव स्तन कैन्सर कहा जाता है। प्राथमिक अवस्था के लगभग 15% मामले एचईआर2 (HER2) पॉज़िटिव होते हैं। इस प्रकार के कैन्सर के लिये ट्रास्टुझुमॅब एक अच्छी चिकित्सा है।

ट्रिपल निगेटिव ब्रेस्ट कैन्सर

ऐसा कैन्सर जिसमें एचईआर2 (HER2) या हार्मोन रिसेप्टर्स नहीं होते उसे ट्रिपल निगेटिव स्तन कैन्सर कहते हैं। लगभग 15 से 20% कैन्सर पीड़ित महिलाओं को यह प्रभावित करता है। इसका प्रभाव कम उम्र की महिलाओं में ज्यादा देखा जाता है। यह एशिया के देशों जिनमें भारत भी शामिल है, ज्यादा देखा जाता है।